लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

LAWS OF BRITISH ERA SHOULD BE REPEALED DEPENDING ON THEIR RELEVANCE AND USEFULNESS: LOK SABHA SPEAKER/ब्रिटिश काल के कानूनों को उपयो गता और प्रासं गकता अनुसार रद्द कए जाने पर वचार हो: लोक सभा अध्यक्ष

…

ALL THREE PILLARS OF GOVERNANCE SHOULD PLAY THEIR ROLES WITH RESPECT AND REGARD FOR EACH OTHER'S RIGHTS: LOK SABHA SPEAKER/शासन के तीनों स्तंभ एक दूसरे के प्रति सम्मानभाव से अपनी भू मका निभाएं: लोक सभा अध्यक्ष

…

CONSTITUTION IS THE ARCHITECT AND GUIDE OF SOCIO-ECONOMIC CHANGE IN THE COUNTRY: LOK SABHA SPEAKER/सं वधान देश के अंदर सामाजिक आ र्थक परिवर्तन का सूत्रधार और मार्गदर्शक: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSESE STUDENTS OF GUJARAT NATIONAL LAW UNIVERSITY/लोक सभा अध्यक्ष ने गुजरात नेशनल लॉ यूनिव र्सटी के छात्रों को सम्बो धत कया

…

Gandhinagar; 15 February 2023: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the students of Gujarat National Law University on his visit to Gandhinagar, today. Expressing happiness, Shri Birla noted that Gujarat has a rich cultural-historical-political heritage of the country.

Referring to the Constitution, Shri Birla said that the Constitution is the architect and guide for socio-economic change in the country. He further said that in the journey of 75 years of independence, our Constitution has strengthened democracy and brought about massive socio-economic changes in the country. Mentioning the role of the three organs of governance, Shri Birla said that the overall development of the country is possible only when all the three pillars of governance play their role sincerely with respect for each other.

Mentioning about law making process, Shri Birla said that there should be meaningful debates in Parliament so that the views of all on all the provisions of the bill can come to the fore. Shri Birla urged the students to study bills at their own level and give their suggestions. He suggested that the students should explain to the common people about the effects of laws in simple language.

With reference to the visionary decisions of the Central Government under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, Shri Birla said that after reviewing the utility and relevance of the British laws, it is being considered to repeal them as per the need. He further said that the present government has repealed many old British era laws. Describing law students as watchful watchdogs of the law, Shri Birla said that it is their responsibility to actively participate in democracy. He further said that it is necessary to consider how the planned misuse of the laws was prevented.

Shri Birla observed that India is known in the world for its strong constitutional tradition, rich democratic practice and rule of law and this is our strength. He appealed to the youth to work in this direction to further strengthen them

गांधीनगर 15 फरवरी 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज अपने गांधीनगर दौरे पर गुजरात नेशनल लॉ यूनिव र्सटी के छात्रों को सम्बो धत कया। इस अवसर पर श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा क गुजरात में देश की सांस्कृतिक – ऐतिहा सक – राजनीतिक धरोहर समाहित है।

सं वधान और व ध का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा क सं वधान देश में सामाजिक आ र्थक परिवर्तन का सूत्रधार और मार्गदर्शक है। उन्होंने आगे कहा क आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में सं वधान ने लोकतंत्र को सशक्त कया है और देश में व्यापक सामाजिक-आ र्थक परिवर्तन कया है। शासन के तीनों अंगों के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा क देश का समग्र वकास तभी संभव है जब शासन के तीनों स्तम्भ एक दूसरे के प्रति सम्मान रखते हुए निष्ठापूर्वक अपनी भू मका निभाएं।

व ध निर्माण की प्र क्रया का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा क संसद में सार्थक डबेट्स होनी चाहिए ता क वधेयक के सभी प्रावधानों पर वचार सामने आ सकें। श्री बिरला ने छात्रों को सुझाव दिया क वे अपने स्तर पर कानूनों का अध्ययन करें और अपने सुझाव दें। उन्होंने आगे कहा क व ध छात्र सरल भाषा में आम लोगों को कानूनों के प्रभावों के वषय में समझायें।

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के दूरदर्शी निर्णयों के सन्दर्भ में श्री बिरला ने बताया क अंग्रेजों द्वारा नि र्मत कानूनों की उपयो गता और प्रासं गकता की समीक्षा कर आवश्यकता अनुसार उन्हें रद्द कये जाने पर वचार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा क इस दिशा में वर्तमान सरकार ने कई पुराने ब्रिटिश काल के कानूनों को रिपील कया है।श्री बिरला ने लॉ स्टूडेंट्स को कानून के सजग प्रहरी बताते हुए कहा क उनका दायित्व है क लोकतंत्र में उनकी स क्रय भागीदारी हो। उन्होंने आगे कहा क कानूनों के नियोजित दुरुपयोग को कस तरह रोका जाये, इसपर पर वचार आवश्यक है।

श्री बिरला ने कहा क भारत को दुनिया में अपनी सशक्त संवैधानिक परंपरा , समृद्ध लोकतान्त्रिक रीति और व धसम्मत शासन लए जाना जाता है और यही हमारी ताकत है। उन्होंने युवाओं को इस परम्परा को अ धक समृद्ध बनाने के लए कार्य करने लए अपील की।